विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 3 से 9 जुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 06 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

जिस घर में पति-पत्नी एक-दूसरे को समझते हैं, वहां बच्चे आदर्श निकलते हैं. लेकिन जिन घरों में पति-पत्नी में विवाद सदैव होता है, उस घर की शांति, समृद्धि गायब रहती है, वहां सदैव परेशानियां होती हैं. घर में शांति ही समृद्धि का कारण बनती है, इसका सदैव ध्यान सभी महिलाएं रखें.

समाजसेवी,यारों के यार,शिवसेना शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता नानकराम नेभनानी को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

नागपुर जीएमसीएच में रोबोटिक ट्रांसप्लांट यूनिट

राज्य में बना पहला महाविद्यालय, अवयवों को ट्रांसप्लांट करने की व्यवस्था,कई सुविधाए

विदर्भ स्वाभिमान,2 जुलाई

नागपुर/मुंबई- वैद्यकीय सेवा के क्षेत्र में क्रांति वाली पहल करने के लिए नागपुर शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय राज्य में पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बन गया है जहां मानव शरीर के अवयवों को ट्रांसप्लांट करने के लिए रोबोटिक ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट शुरू किया गया है.

राज्य में वैद्यकीय क्षेत्र में यह जहां उपलब्धि माना जा रहा है, वहीं अगले महीने स्वयं मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस द्वारा नागपुर शासकीय वैद्यकीय महाविद्यालय को भेंट देकर इस क्रांतिकारी प्रयास तथा इसकी पहल के लिए महाविद्यालय की सराहना किए जाने की जानकारी महाविद्यालय के डीन डॉ. राज गजभिए ने दी. महाविद्यालय ने पेट स्कैन की व्यवस्था भी की गई है. तेजी से शासकीय महाविद्यालय में होने वाली इन सुविधाओं का लाभ निश्चित तौर पर मरीजों को भविष्य में होने वाला है. विश्व के कई देशों में रोबोट द्वारा ऑपरेशन कराये जा रहे हैं. इसकी सफलता को लेकर वैज्ञानिक जहां उत्साहित हैं, वहीं दूसरी ओर मानवीय गलतियों से कई बार मरीजों की जान चली जाती है. लेकिन रोबोटिक परफेक्टनेस को काफी बेहतरीन माना जाता है. नागपुर शासकीय वैद्यकीय महावि लय तथा अस्पताल में इस यूनिट के लगने के साथ ही जीएमसी नागपुर ने इतिहास रच दिया है.महाविद्यालय केडीन डॉ. राज गजभिए ने बताया कि इसके माध्यम से महाविद्यालय में शीघ्र ही लीवर और हार्ट ट्रांसप्लांट का ऑपरेशन शुरू किया जाएगा. इसके साथ ही आगामी दिनों में किडनी का लाइव ट्रांसप्लांट भी यहां से किया जा सकता है. जीएमसीएच इस मामले में राज्य में पहला शासकीय अस्पताल होने का गौरव भी हासिल करने की जानकारी उन्होंने दी.

आसमान में फंसा विमान,यात्री परेशान,पायलट ने सुरक्षित उतारा

विदर्भ स्वाभिमान,2 जुलाई

मुंबई-मुंबई से गोवा जा रहा एक विमान मौसम के कारण फंसकर आसमान में ही डेढ़ घंटे तक चक्कर काटता रहा. इससे यात्रियों की कुछ समय के लिए सांसें थम गई थी. लेकिन अनुभवी पायलट ने स्थिति को संभाला और सही तरीके से उतारा, इसके बाद सभी यात्रियों ने राहत की सांस ली. यह रोमांचकारी घटना आज दोपहर हुई. इस घटना के कारण विमान में सवार यात्री सचमुच हवा में लटक गए. इसके पीछे का कारण भी यही है. पिछले कुछ दिनों से विमान को लेकर हर दिन अलग-अलग अप्रत्याशित खबरें सामने आ रही हैं. अहमदाबाद विमान हादसे ने कई लोगों के मन में विमान को लेकर एक अलग ही डर पैदा कर दिया है. ऐसे में स्वाभाविक रूप से ऐसा कुछ होना यात्रियों की चिंता को बढ़ा सकता है. लेकिन आज की घटना में विमान की कमान संभाल रहे पायलट की पहल से एक बड़ा हादसा टल गया. डेढ़ घंटे बाद विमान के सुरक्षित उतरने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली.खराब मौसम के कारण आज यात्रियों की जान खतरे में थी. लेकिन पायलट की पहल से आज एक बड़ा हादसा टल गया. आज दोपहर एक विमान मुंबई से गोवा के लिए उड़ान भरी थी. अकासा एयरलाइंस का एक विमान मुंबई एयरपोर्ट से गोवा के लिए उड़ान भरी थी. यह विमान तय समय पर गोवा के मोपा एयरपोर्ट पर उतर सकता था. लेकिन खराब मौसम के कारण यह उतर नहीं सका.

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 22वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

सर्वदलीय नेता एकता ही बनेगी जिला विकास की गारंटी

जिस जिले में नेताओं में जिले के विकास को लेकर एकता होती है और अहंकार नहीं होता है, उस जिले की प्रगति तेजी से होती है. लेकिन जिस जिले में नेताओं द्वारा एक-दूसरे की टांग खींचने और नीचा दिखाने वाली मानसिकता होती है, उस जिले का विकास प्रभावित होता है. विकास के मामले में नागपुर तथा विकास में पिछड़ने के मामले में अमरावती का उदाहरण लिया जा सकता है. यहां जनप्रतिनिधियों और प्रशासन में अक्सर समन्वय का अभाव दिखाई देता है. यही कारण है कि अमरावती शहर के साथ ही जिले में निधि रहने के बाद भी कई काम रूके पड़े हैं और नेताओं की लापरवाही के कारण यह स्थिति पैदा हुई है.अचलपुर बस डिपो के लिए 4.50 करोड़ रूपए की निधि मंजूर रहने के बाद भी डिपो का निर्माण क्यों नहीं शुरू किया जा रहा है, इसका उत्तर संबंधित ही दे सकते हैं. प्रशासन की लापरवाही तथा समन्वय के अभाव के कारण टाकरखेड़ा संभू में जल जीवन मिशन के तहत 50 हजार लीटर की पानी की टंकी तो बन गई है, लेकिन एक साल बाद भी ग्रामीणों को एक बूंद पानी नहीं मिला है. इसका कारण पाइप लाइन का अभाव है. प्रशासन द्वारा अगर काम के लिए वरिष्ठों से समय पर पत्र व्यवहार किया जाए, समस्या बताई जाए तो निश्चित तौर पर हल निकल सकता है. ले किन दुर्भाग्य की बात कि अपना तो बनता, भाड़ में जाए जनता का रवैया जब तक रहेगा, तब तक निश्चित तौर पर जनता को परेशानी उठानी पड़ेगी.

केन्द्र तथा राज्य स रकार द्वारा जलजीवन मिशन योजना का पाइप लाइन कनेक्शन अधूरा होने से यह टंकी फिलहाल शोभा की वस्तु बनकर रह गई है. बताते हैं कि निधि के अभाव में यह काम ठप्प है और क्षेत्रवासियों को पेयजल के लिए तरसना पड़ रहा है. जलापूर्ति जैसे गंभीर मामले में इस तरह की लापरवाही निश्चित तौर पर चिंतनीय कही जा सकती है.यह योजना 105 ग्राम जलापूर्ति योजना का हिस्सा है और बिश्रोली बांध से रामा गांव में पानी की आपूर्ति होने की उम्मीद है. लेकिन निधि के अभाव में काम रूका हुआ है. इसके चलते महिलाओं को अभी भी पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है. ग्राम पंचायत के उपसरपंच प्रदीप शेंडे ने समय-समय पर प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, विधायकों और सांसदों का ध्यान दिलाया लेकिन कोई गंभीर नहीं होने पर उन्होंने अब आंदोलन का मार्ग अख्तियार किया है. तलेगांव दशासर ग्राम पंचायत क्षेत्र में तो नल लगा है लेकिन नल से पानी नहीं आ रहा है. पहले समस्या हल करने को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधि सतर्क रहते थे लेकिन अब बदलते दौर में समस्याओं को बरकरार रखते हुए उस पर राजनीति करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है. विदर्भ स्वाभिमान जिले के सभी नेताओं से आग्रह करता है कि एकता के बलबूते यहां बड़ी कंपनियां लाएँ और विकास का नया इतिहास रचने का प्रयास करें.

संवेदनशील संभागीय आयुक्त श्वेता सिंघल

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

क़हते हैं कि पद और कद की महत्ता व्यक्ति के व्यक्तित्व से बढ़ती है. उसमें भी अगर उच्चाधिकार महिला अधिकारी संवेदनशील हो तो निश्चित ही पद की महत्ता और गरिमा बढ़ने के साथ ही लोगों के दिलों में सदैव स्थान बनाने में कामयाब रहती हैं. अमरावती संभाग की संभागीय आयुक्त श्वेता सिंघल इसी तरह की बेहतरीन अधिकारी हैं. कर्मठता के साथ ही अधीनस्थों तथा जनता के प्रति उतना ही सम्मान और टीम वर्क में विश्वास रखती हैं. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के साथ ही पांच जिलों के संभाग की राजस्व प्रमुख रहने के बाद भी लोगों की शिकायतें जिस गंभीरता से सुनती हैं और उसका निराकरण करने के मामले में तत्पर रहती हैं, वह अपने आप में बड़ी बात है. उनकी सादगी निश्चित तौर पर उन्हें भीड़ में भी स्वतंत्र चेहरा बनाने की ताकत रखती है. किसी की शिकायत को गंभीरता से सुनना और उसका निराकरण करने का प्रयास उनकी खूबी है. विदर्भ स्वाभिमान द्वारा उनकी पहली मुलाकात लेने के बाद जिस तरह की सादगी दिखी, वह निश्चित ही काबिले तारीफ है. कर्म को पूजा मानने वाली श्वेता सिंघल कहती हैं कि पद की बजाय बेहतरीन इंसान बनकर वे समस्याओं को समझने और निराकरण का प्रयास करती हैं. यह अमरावती संभाग का सौभाग्य है कि उनकी संवेदनशीलता के साथ ही काम के प्रति समर्पण, सभी को साथ लेकर चलने वाली कला जैसी कई खूबियों के साथ ही विकास का विजय काफी मायने रखता है.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में उन्हों ने बताया कि अमरावती के लोग समझदार हैं. इतना ही नहीं तो समस्याओं के साथ ही इसके निराकरण की दिशा में उनका प्रयास सदैव रहता है. संभागीय आयुक्त की जिम्मेदारी संभालने के बाद जहां संभाग के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया, वहीं दूसरी ओर विकास को लेकर भी वे सदैव तत्पर रहती हैं. श्रीक्षेत्र कौंडण्यपुर के विकास की बात हो अथवा आदिवासी बहुल मेलघाट क्षेत्र की स्वास्थ्य समस्या या आदिवासियों के जीवन को सुकर करने का प्रयास हो, वे इस मामले में अत्याधिक गंभीर हैं.मेलघाट के दुर्गम गांवों में जाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थिति जानने के साथ ही वहां की समस्याओं और काम करने के तरीकों का पता लगाने को कहा है. उनका मानना है कि जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का पूरे समर्पण के साथ निर्वहन करता है तो निश्चित तौर पर बेहतरीन काम होता है. वे अधीनस्थों को प्रोत्साहित करने के अलावा उनकी समस्याओं को सुनते हुए निराकरण का सदैव प्रयास करती हैं.

भक्त ने लाया भगवान विट्ठल को पंढरपुर

आषाढ़ी एकादशी पर विदर्भ स्वाभिमान की भक्तिमय पहल वारकरियों में अपार उत्साह, है इसका मजेदार इतिहास

महाराष्ट्र के आराध्य भगवान विट्ठल भगवान को पंढरपुर में एक भक्त ने लाया. आज आषाढ़ी एकादशी पर भक्त सैलाब यहां उमड़ता है, इसका क्या इतिहास है और भगवान भक्त की खातिर क्या-क्या करते हैं, इसका अनुभव भक्तों को देने के प्रयास के तहत यहां कोशिश की जा रही है. वारकरियों की भावना है कि वे वर्षों और पीढ़ियों से चली आ रही पंढरपुर वारी को कभी न चूकें. वे अपने जीवन से संघर्ष करने के बाद भी वहाँ जाने की लालसा रखते हैं. कभी-कभी वे पंढरी जाते हैं और पांडुरंग के दर्शन करते हैं. वारकरी संप्रदाय के आगमन से महाराष्ट्र के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना घटी और इसके कारण वारकरियों को वारी को बाधित करने के लिए मजबूर होना पड़ा.यह घटना 1508 और 1511 ई. के बीच हुई थी. विजयनगर साम्राज्य के राजा पंढरपुर से पांडुरंग की मूर्ति को अपने राज्य अनागोंडी (अब हम्पी) ले गए. वारकरी आषाढ़ी वारी के लिए पंढरी पहुंचे, लेकिन यह देखकर कि जिस पांडुरंग के दर्शन के लिए वे यहाँ आए थे, वे वहाँ नहीं थे, सभी ने शिकायत करना शुरू कर दिया. लेकिन राजा की शक्ति के सामने कौन टिक सकता है? सभी भक्तों ने पांडुरंग के कट्टर भक्त श्रीसंत भानुदास महाराज से इस कार्य को पूरा करने का अनुरोध किया.

भगवान के अनन्य भक्त भानुदास महाराज के परिवार में पंढरी तीर्थ यात्रा पीढ़ियों से चली आ रही थी. उन्हें भी पांडुरंग के दर्शन की इच्छा थी. उन्होंने पहल की और हर कुछ किलोमीटर पर रुकते हुए हम्पी पहुँचे. एक रात, जब वे पांडुरंग के मंदिर के पास पहुँचे, तो पांडुरंग की सुंदर मूर्ति एक बंद कक्ष में थी और सैनिकों द्वारा पहरा दिया जा रहा था. जैसे ही उन्होंने दरवाजे को छुआ, ताले गिर गए और सैनिक सो गए.भानुदास महाराज मूर्ति के सामने जाकर खड़े हो गए.उन्होंने भगवान से कहा-हे भगवान, पंढरी में सभी भक्त आपकी प्रतीक्षा कर रहे हैं और आप यहाँ आए हैं? यहाँ आपको सभी राजसी व्यवहार मिलेंगे, लेकिन आप पंढरी में प्राप्त होने वाले भक्तों के भक्ति प्रेम से वंचित रहेंगे. मेरे साथ आओ! दोनों के बीच कुछ बातचीत के बाद, भगवान ने अपने गले से तुलसी की माला भानुदास महाराज के गले में डाल दी. उन्होंने उनके गले में नौरत्नों की माला भी डाल दी. महाराज बाहर आ गए. स्थिति ठीक हो गई. सुबह जब राजा काकड़ा आरती में आए तो उन्होंने देखा कि भगवान के गले का नौ रत्नों का हार गायब हो गया है. खोज शुरू हुई. राजा ने आदेश दिया कि जो भी चोर हो उसे सूली पर चढ़ा दिया जाए. सुबह जब भानुदास महाराज तुंगभद्रा नदी के तट पर संध्या स्नान कर रहे थे तो उनके गले का नौ रत्नों का हार चमक उठा. यह महसूस करते हुए कि चोर मिल गया है, राजा के आदेशानुसार भानुदास महाराज को सूली पर चढ़ाने की योजना बनाई गई. लेकिन एक चमत्कार हुआ. इस समय विट्ठल भगवान अपने भक्त की रक्षा करने

शेष पेज 4 पर

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN 43881

विदर्भ में सर्वत्र कमल खिलाने वाले महायोद्धा

अरूणभाऊ अडसड के जन्मदिन पर विशेष, मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस करते हैं जिनके योगदान की प्रशंसा

अमरावती जिले ही नहीं बल्कि समूचे विदर्भ में भाजपा का कमल खिलाने में सबसे बड़ा योगदान धामणगांव रेलवे के अरूणभाऊ अडसड तथा उनके परिवार का है. भाजपा के प्रति उनका त्याग और उनका समर्पण नहीं जानने वाला भाजपा का कोई पदाधिकारी नहीं होगा. स्वयं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस कई मौके पर इस परिवार के भाजपा की प्रगति में योगदान की सराहना की है. कई बार विधायक रहने के बाद भी अरूण भाऊ की सादगी ने केवल धामनगांव रेलवे बल्कि जिले तथा समूचे विदर्भ में प्रसिद्ध है.पिता के ही पदचिन्हों पर चलते हुए पुत्र विधायक प्रतापदादा अड़सड़ भी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ ही पार्टी की प्रगति में योगदान दे रहे हैं. पुत्री अर्चना रोठे अक्का सहित पूरा परिवार भाजपा को मजबूती प्रदान कर रहा है.विदर्भ विकास बोर्ड के अध्यक्ष रहते समय अमरावती से लेकर बुलढाणा तक उन्हों ने विकास की गंगा बहाई. पगडंडी रास्ते उनकी ही सोच का परिणाम हैं.

इस परिवार ने जहां धामणगांव रेलवे तथा विधानसभा क्षेत्र के विकास को दिशा दी वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा,रोजगार तथा लोगों की मूलभूत जरूरत को सदैव पूरा करने का प्रयास किया है. बेटी अर्चना रोठे उर्फ अक्का ताई और दामाद रावसाहब रोठे भी पार्टी के विकास के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं. विधायक के रूप में प्रताप दादा अडसड ने करोड़ों रूपए की निधि लाकर क्षेत्र में विकास की गंगा बहाई है, वहीं पिता के अनुभव और मार्गदर्शन के कारण आज इस क्षेत्र में जिस तेजी से विकास हो रहा है और लोगों में अपार संतुष्टि का भाव देखा जा रहा है, उसके कारण यह परिवार आज आदर्श राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक परिवार के रूप में न केवल जिले बल्कि विदर्भ में अपनी अलग पहचान बनाने में कामयाब हुआ है.अरूणभाऊ अडसड के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ ही अनगिनत वरिष्ठ नेताओं ने जिस तरह से शुभकामना संदेश भेजे हैं अथवा दिए हैं वह पार्टी में इस परिवार की महत्ता का परिचायक है. पिता का कुशल मार्गदर्शन और बेटे प्रतापदादा की विधानसभा क्षेत्र को विकास में सबसे अग्रणी रखने की जिद के कारण आज यह क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है. हजारों लोगों ने भाजपा के वरिष्ठ नेता,मार्गदर्शक अरूणभाऊ अडसड़ के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामना देकर उनके दीर्घायु तथा स्वस्थ एवं मस्त जीवन की कामना की. यह निश्चित तौर पर इस परिवार की बढ़ती लोकप्रियता की परिचायक है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा भाऊ को बेहतरीन स्वास्थ्य के साथ दीर्घायु की हार्दिक शुभकामनाएं.

राजेश चौबे, धामनगांव रेलवे

जरूरतमंद छात्रों को साहित्य वितरण 6 जुलाई को

वननेष मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था की सामाजिक पहल,युवाओं की टीम की सर्वत्र सराहना

विदर्भ स्वाभिमान,6 जुलाई

अमरावती- एक फिल्मी गीत अपने लिए जिए तो क्या जिए, काफी लोकप्रिय हुआ था. इसमें मानव जिंदगी के उद्देश्य को बताया गया था. इसी को जीवन का सार मानते हुए युवाओं की टीम द्वारा सामाजिक कार्य यथासंभव करने और जरूरतमंदों की मदद का प्रयास किया जाता है. गरीब छात्रों को मार्गदर्शन करने के साथ ही युवाओं को स्पर्धा परीक्षा के बारे में नि:शुल्क मार्गदर्शन करने वाले वननेष मुक्तांगण बहुउद्देशीय संस्था द्वारा रविवार 6 जुलाई को गरीब और जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क शालेय साहित्य का वितरण स्वाभिमान नगर झोपड़पट्टी में आयोजित कार्यक्रम में किया जाएगा. सुबह 9 बजे से आयोजित इस कार्यक्रम में मान्यवरों के हाथों लगभग 300 छात्रों को दप्तर, नोटबुक्स सहित अन्य जरूरी साहित्य का वितरण किया जाएगा.

संस्था के पदाधिकारी स्वयं भी नौकरी या सेवा देने का काम करते हैं, सामाजिक प्रतिबद्धता के प्रयास के तहत आर्थिक रूप से स्वयं के साथ ही समाज की भी मदद प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, यह मदद उन छात्रों को दी जाएगी, जिनके माता-पिता नहीं है और जो पढ़ने की इच्छा रखते हैं.

एक परिवार के एक छात्र को एक शालेय किट प्रदान की जाएगी, जिसमें नोटबुक, प्रैक्टिकल बुक, रजिस्टर, चित्रकला बही, कंपास पेटी आदि का समावेश रहेगा. उल्लेखनीय है कि संस्था के सभी पदाधिकारी तथा स्वयंसेवक सेवाभाव से उपक्रम लेते हैं, इसे समाज का भी साथ मिलने की जानकारी अमित बनारसे ने दी. उनके मुताबिक सभी के सहयोग से ऐसे गरीब, जरूरतमंद छात्रों के जीवन में भी शिक्षा के प्रकाश का उजाला आ सकता है. इसका सभी से लाभ लेने तथा सहयोग करने का आग्रह भी संस्था द्वारा किया गया है.सामाजिक दायित्व की भावना से दो वर्षों से शुरू सामाजिक कार्य की सर्वत्र सराहना की जा रही है.

क़ो जन्मदिन की हार्दिक

दिलदार समाजसेवी हैं नानकराम नेभनानी

अमरावती शहर में अल्प समय में ही अपनी दिलदार यारी तथा दानशूरता,सामाजिक,धार्मिक, कवि सम्मेलनों में सदैव सहयोग देने के कारण लोकप्रिय हुए नानकराम नेभनानी ने अपार लोकप्रियता हासिल की. उनके मुताबिक शहरवासियों का प्यार उन्हें सदैव अच्छे कामों को करने की प्रेरणा देताहै. यही कारण है कि जितना संभव होता है, नेक काम करने का प्रयास करते हैं. वे मानते हैं कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है.

ज़ीवन में हर व्यक्ति का जीने का अपना अंदाज होता है. कई लोग सम्पन्न रहकर भी किसी के लिए कुछ नहीं करते हैं लेकिन कई लोग अथक मेहनत से कमाते हैं लेकिन अपनी कमाई में समाज का योगदान समझते हुए उसके लिए सदैव कुछ भी करने के लिए तत्पर रहते हैं. किसी जाति,धर्म,पंथ के बंधन से दूर रहने वाले ऐसे लोग ही इतिहास रचते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं सिंधी समाज प्रदेश संगठन के मुख्य समन्वयक, शिवसेना शिंदे गुट के वरिष्ठ नेता तथा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के करीबी नानकराम नेभनानी. अमरावती शहर में स्थायी हुए कुछ ही साल हुए हैं लेकिन अपने सर्वधर्म समभाव वाली भूमिका से उन्होंने न केवल सिंधी समाज बल्कि शहर के हर वर्ग में अपनी पैठ बनाई है. आज उनकी लोकप्रियता किसी नेता से कम नहीं है. इसका नजारा संत ज्ञानेश्वर सांस्कृतिक भवन में उमड़े हजारों लोग हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे अपने लिए जिए तो क्या जिए को जीवन सिद्धांत मानते हैं. यही कारण है कि जितना संभव होता है हर समाज की मदद के लिए तैयार रहते हैं. जीवन में अपनी कामयाबी को माता-पिता का आशिर्वाद, बच्चों का साथ तथा शहरवासियों के प्रेम को मानते हैं. जन्मदिन पर उमड़े तथा शुभकामनाएं देने वाले हजारों मित्रों के प्रति दिल से कृतज्ञता जताते हुए उन्होंने कहा कि उनके जीवन में इससे बड़ी दौलत कोई नहीं हो सकती है. लोगों का प्यार और आत्मीयता ही उनकी सबसे बड़ी उर्जा होती है. जन्मदिन के दिन लाखों की संख्या में चहेतों ने सुबह से लेकर रात तक उन्हें शुभकामनाएँ और उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होने की कामना की. लोगों का यही प्रेम सदैव उर्जा देने की बात वे कहते हैं. आज उनके जन्मदिन पर उमड़ी भीड़ ने यह साबित कर दिया कि वे सर्वमान्य समाज के सेवक हैं. इतना भव्य पैमाने पर सांस्कृतिक भवन में शायद ही किसी का जन्मदिन समारोह हुआ है. हर वर्ग के लोग इसमें थे, साधु-संतों के साथ ही हजारों की संख्या में लोगों का तांता लगा रहा. उनके अयूर काम्प्लेक्स स्थित कार्यालय में भी उतनी ही भीड़, महाआरती, गौरक्षण में गुड़ तुला, गौमाता की सेवा के अलावा मधुबन वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के आशिर्वाद के साथ ही जन्मदिन को उन्हों ने सेवा दिन बना दिया. हजारों ने उन्हें जन्मदिन 1 जुलाई को सांस्कृतिक भवन पहुंचकर शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु की कामना की.वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की यही कामना, जन्मदिन पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

चक्रराज-भेरूंड राक्षस में हुआ जब भयान युद्ध

गतांक से जारी-फिर चक्रराज जयभेरी बजाकर चतुरंग बलों को इकट्ठा करके उनके व्दारा स्तुति पाकर उत्साह के साथ वायव्य दिशा में रहनेवाले चोरों का निरोध करते हुए गाडांधकार फैलानेवाले कंटक राक्षस रहनेवाली उत्तर दिशा की ओर आगे बढ़ा . सहस्त्र करों के साथ दीर्घ सहस्त्र करों के साथ दूसरे प्रचंड मार्ताेड बनकर वेंकटाद्रि के उत्तर भाग में पहाड़ों के बीच में महोग्र होकर युध्द के लिए तैयार होकर चक्रराज निकला .ऐसे चक्रराज को देखकर डर कर कुछ राक्षसों ने अपने प्रभु भेरुंड के पास पहुँच कर इस रूप में कहा. हे प्रचंड प्रताप भेरुंड प्रभु स्वामी अत्यंत अभ्दुत ढंग से एक वीर चतुरंग बलों के साथ मिल कर आया है. कालाग्नि ऐर रुद्र की तरह है. विकराल सहस्त्र हाथों के साथ है. रक्त वर्ण का वस्त्र पहना हुआ है. हार किरीट केयुर आदि भूषण धारण किया हुआ है. बड़े रथ पर आरूढ़ है. सूर्य की तरह प्रकाशवान है.उसे देखते ही डर लग रहा है. इस रूप में बताने पर भेरुंड राक्षसों के साथ वहाँ गया. वहाँ चक्रराज को देखकर महोग्र हो गया. उसने तब कहा-मैं ही यहाँ का राजा हूँ. फिर अपने सहचर राक्षसों को देखते हुए कहा. हे रक्षोवर देखिए इस उत्पात को. मुझे हराने के लिए आए इसे मार कर रावण को भेंट के रूप में दूँगा. मेरे भेरूंड नाम को धरती पर सार्थक करूँगा. ऐसे डींग हांकते हुए अपने चतुरंग बलों को चक्रराज के चतुरंग बलों पर धावा बोलने का आदेश दिया. तब चक्रराज के चतुरंग बलघोर रणभेरी बजा कर अठ्ठहास करते हुए युध्द करना शुरु किया. मारने आए भेरूंड बलों को विरोध करते बिना हड़बड़ाहट के अलग-अलग युध्द करने लगा. करवाल, शूल

कुंत मूसल, मुग्दर खिंडिवाल परशु तोमर पट्टिस, परिघाध्द आदि आयुध धारण करके एक-दूसरे को काटते बचाते भागते हूंकारते डींग हांकते मारते गालियाँ देते बडबोली करते ओंट काटते दांते निपोरते आंखों से परिहास करते धिक्कार करते कुचलते खांसते डराते धमकाते ऐसे अनेक प्रकार से दक्षिणोत्तर सागरों की तरह एक-दूसरे पर टूट पड़े. तब दोनों तरफ के लोगों के शरीर गले जांघे हाथ पैर कमर नसे आदि के कट जाने से नीचे गिर कर लुढ़कनेवाले प्राण छोड़नेवाले रोनेवालों से युध्द भूमि फूले हुए पलाश वृक्षों की तरह भयानक लग रही थी. घायल हुए लोगों के शरीर से रक्त नदियाँ बनकर बह रहा था. सैनिकों के शरीर के भागों के साथ युध्द सामग्री

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-24, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

के टूटने से वे अत्यंत भयानक लग रहे थे. टूटी तलवारें टूटे रथ गिर पड़े घोड़े हाथी शूल गदादी से रण क्षेत्र भर गया था. ये सारे रक्त की नदियों में बहते दिखाई पड़ रहे थे.तब वहाँ भूत प्रेत चक्रराज ने हमारे लिए समाराधन किया है आइए एक दूसरे को बुलाते गिर पड़े शवों को खाते. आंतडियों को निकाल कर निगलते भूत प्रेत कटी हुई खोपड़ियों को अनेक बार रक्त में भिगो कर खा रहे थे. खा-पीकर पेट को सहलाते डकारते और लुढ़कनेवाले भूत प्रेतों से रणक्षेत्र भीषण और भयंकर लग रहा था.तब चक्रराज ने भरुंड राक्षस को देखकर बहुत गुस्सा किया. तब भेरुंड ने महोग्र होकर हतशेष बलों के साथ चक्रराज पर आक्रमण किया.चक्रराज ने भी भौहें चढ़ाकर नेत्रों से विष्फुलिंग निकालते भेरुंड को देखकर हुंकार किया.

उस हुँकार ध्वनि से धरणी कांपने लगी. तब मानो आकाश गिरा, दिशाएँ धंस गयीं. महान पहाड़ कांपने लगे. सूर्य-चंद्र अपनी गतियों से अलग हुए. दैत्यों के ह्दय हिलने लगे. मानो ब्रह्मांड भांड टूट गया हो. तेज हवाएँ चलने लगीं तब चक्रराज ने पावक नामक वीर का सृजन करके शत्रुओं पर छोड़ा. पावक ने शत्रु बल पर अतिशय रूप में आक्रमण करके सम्मोहन अस्त्र का प्रयोग किया. तब राक्षस अपने आपसे लड़ कर मर कर नीचे गिरे.चक्रराज ने इस दृष्य को देखकर दया करके यह अधर्म है. इसलिए तुम इस बाण को और आगे जाने न देकर उपसंहार कर लो.कहा, तब पावक ने अपनी विधा से उसे वापस लिया. पावक ने फिर दैत्यों पर कौंच बाण छोड़ा . तब उसने उनकी नाक-कान को काट लिया. इसे देखकर भेरुंड को बहुत रोष हुआ. तब उसने भीकर रूप में पावक पर आक्रमण किया .तब पावक ने उस पर मारुतास्त्र को छोड़ा. तीन योजन शरीरवाले भेरुंड को उस अस्त्र ने उठा कर वेंकट पहाड़ की तीन बार परिक्रमा करवाकर धरती पर गिरा दिया. सड़े हुए कुष्मांड की धरती पर गिरने की तरह राक्षस गिर गया. चक्र ने उसके सारे बलों को काट दिया. तब देवतागण ने चक्रराज पर फूलों की वर्षा की. देवतागण ने साक्षात उसे दर्शन देकर उनकी स्तुति करके इस रूप में कहा. हे चक्रराज तुमने सारे दुष्टों का संहार करके साधु जनों की रक्षा करने के कारण पुरुषोत्तम स्वामी आपसे अत्यंत प्रसन्न हो गए. अब तुम शांत हो जाओ. हे महात्मा आपकी प्रशंसा करना ब्रह्नादि को भी संभव नहीं है. आपने दुष्टों का संहार करके शिष्टों की रक्षा की है. अब इस प्रांत को छोड़कर शांत होकर श्री वेंकटेश्वर स्वामी की सन्निधि में पहुँच जाओ. कहते देवतागण लौट गए. तब चक्रराज ने निज योग बल से युध्द क्षेत्र में मरे अपने चतुरंग बलों को जीवित किया. इस रूप में उन पर संतोष के साथ करुणा-कटाक्ष किया .तब वे भी शांत होकर पूर्व की तरह चक्रराज की पूजा करने लगे. तब उत्तर भाग से श्री वेंकटाद्रि पर पहुँचने वाले भक्तों के लिए आवश्यक मार्ग को सुगम किया. साथ ही सज्जनों की नियुक्ति की. उनके संरक्षण के लिए राजा की नियुक्ति भी की.वेंकटाद्रि पर आनेवाले भक्त जनों का आदर करते रहिए. ऐसा आदेश भी उसे दिया.

शेष आगे के अंक में

भक्त ने लाया भगवान विट्ठल को पंढरपुर

पेज 4 से जारी -के लिए आए और उन्हें बचाया.सूला फट गया. खबर राजा तक पहुंची. पांडुरंग की योजना के अनसार, यदि उसके भक्त को यातना दी गई, तो वह एक पल के लिए भी वहां नहीं रहेंगे, इसलिए पांडुरंग ने अंगूठी का रूप धारण किया और संत भानदास महाराज के पास बैठ गया. दोनों ने पंढरी की ओर प्रस्थान किया. पंढरी के द्वार पर पहुंचकर वारकरियों को यह शुभ समाचार सुनाया कि संत भानुदास महाराज पांडुरंग को पंढरी ले आए हैं. दोनों के स्वागत के लिए एक रथ तैयार किया गया था.

वारकरियों की खुशी सातवें आसमान पर थी, पंढरी 'पुंडलिक वरदा हरि विठ्ठल' की ध्वनि से भर गया. वारकरियों ने दोनों का स्वागत करने के लिए दिंडी लेकर वहां आए. फूल बरसाए गए. स्थानीय लोगों ने सदासर्वण किया. सुवासिनी ने अपनी पादुकाएँ पहनीं और हाथ हिलाया. द्वार पर पहुंचकर पांडुरंग ने अपना मूल रूप धारण कर लिया. जिस दिन पांडुरंग पंढरी आए, वह कार्तिकी एकादशी थी.भक्तों के अनुरोध पर संत भानुदास महाराज ने प्रदक्षिणा मार्ग पर काला मारूति स्थापित की थी. मंदिर में प्रवेश करने के बाद, पांडुरंग को स्वयं भानुदास महाराज ने पुनः स्थापित किया था. पांडुरंग ने भानुदास महाराज को आशीर्वाद के रूप में दो वरदान दिए, 'मैं तुम्हारे वंश में जन्म लूंगा और तुम सदा मेरे साथ रहोगे.' इसी तरह, संत भानुदास महाराज के पुत्र चक्रपाणि, उनके पुत्र सूर्यनारायण और उनके पुत्र शांतिब्रह्म संत एकनाथ महाराज हैं. बेशक, संत एकनाथ महाराज संत भानुदास महाराज

के परपोते हैं.

दूसरे वरदान की तरह, संत भानुदास महाराज अभी भी पांडुरंग के पास हैं. जब आप गुफा से बाहर आएंगे, तो आपको चार स्तंभों वाला मंडप मिलेगा. जब आप इससे बाहर आएंगे, तो आपको सोलह स्तंभों वाला मंडप मिलेगा, जिसे सोलखंबी मंडप कहा जाता है. आज भी उस स्थान पर उनके वंशजों द्वारा पूजा-अर्चना आदि करके उनकी समाधि मनाई जाती है. साथ ही इस तिथि की स्मृति में कार्तिकी एकादशी को रथोत्सव मनाया जाता है. संत भानुदास महाराज की भक्ति और कार्य का फल है कि आज हमें पंढरी में पांडुरंग के दर्शन हो रहे हैं. इसीलिए हम आज भी पंढरपुर जाकर तीर्थ यात्रा करते हैं. अन्यथा हमें 'हम्पी की वारी' करनी पड़ती. संत ज्ञानेश्वर जैसे संत पंढरी की महिमा नहीं गा पाते. संत एकनाथ और संत तुकाराम पंढरी पर अभंग नहीं लिख पाते. धन्य हैं संत भानुदास और धन्य है उनकी भक्ति, जिसके कारण आज हमें पंढरपुर में पांडुरंग के दर्शन हो रहे हैं. आज भी हम्पी के विठ्ठल मंदिर में जहां पांडुरंग को स्थापित किया गया था, वहां मंदिर में पांडुरंग नहीं है. वहां एक पायदान है जहां पांडुरंग की मूर्ति रखी गई थी. 80 फीसदी भक्तों को यह इतिहास नहीं पता है. भक्ति के साथ ही भक्त के लिए भगवान क्या-क्या नहीं करते हैं, इसका यह उदाहरण है. इसकी जानकारी सभी को देनी चाहिए. पंढरपुर की यात्रा सर्वधर्म समभाव की भी उदाहरण है. इसमें सभी जाति-धर्म के भक्त शामिल होते.

विश्व कल्याण की भावना रहने से होंगे सभी सुखी

जन्मदिन पर समाजसेवी एकनाथ जुवार ने कहा,सेवा को मानते हैं दिल में स्थान बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम

प्रतिनिधि, 3 ज़ुलाई

अमरावती- जीवन में जो लोग दूसरों के हित के बारे में सोचते हैं, उनका हित स्वयं परमात्मा करते हैं. जब हम विश्व कल्याण की कामना करते हैं तो हमारा कल्याण इसमें समाहित होता है. इसलिए जितना हो सके, परिवार के साथ ही समाज और राष्ट्र के बारे में भी सोचने और सदैव करने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और दर्जनों संगठनों के पदाधिकारी एकनाथराव जुवार ने किया. 1 जुलाई को जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि बचपन से संघर्ष देखा है. आज मेहनत को कोई पर्याय नहीं होता है. इसलिए जितना संभव हो सके, उम्र के मुताबिक मेहनत करते हुए स्वयं के जीवन को संवारने के साथ ही परिवार को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए. परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र मजबूत होता है.

स्थानीय आदर्श नेहरू नगर निवासी तथा यारों के दिलदार यार एकनाथराव जुवार न के केवल

में जहां अग्रणी रहते हैं, वहीं दूसरी ओर सदैव नेक कामों में योगदान देने से पीछे नहीं हटते हैं.अमरावती शहर के सुख्यात धार्मिक एवं समाजसेवी व्यक्तित्व एकनाथराव जुवार का कहना है कि हर व्यक्ति को अपनी ओर से जितना संभव हो, मानवता की सेवा करनी चाहिए. ब्रजलाल बियाणी महाविद्यालय से लैब असिस्टंट पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्हों ने अपना पूरा जीवन सामाजिक कामों में लगाया है. कई संगठनों के प्रमुख के साथ ही कई संगठनों के वे पदाधिकारी हैं. इस माध्यम से समाजसेवा में स्वयं को झोंके हैं. उनका मिलनसार स्वभाव सभी को प्रभावित करता है.पूर्व मंत्री डॉ. दशरथ भांडे के साथ उनके करीबी संबंध हैं. लेकिन उनकी सादगी देखकर किसी को भी ऐसा नहीं लगता कि वे इतने पहुंचे हुए हैं. बातचीत का उनका अंदाज पुराना ही है. ऐसे में वे

पंचबोल प्वाइंट पर खड़ी कार खाई में गिरी,अनर्थ टला

चिखलदरा-चिखलदरा एक प्रमख पर्यटन स्थल है, जहां पर्यटकों की भारी भीड़ होती है. पंचबोल पॉइंट पर खड़ी एक कार अचानक खाई में गिर गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया. सौभाग्य से इस दुर्घटना में किसी की जान नहीं गई.प्राप्त जानकारी के अनुसार, अचलपुर के भीमपुर निवासी एक परिवार अपनी कार (क्रमांक एम.एच. 27 बीई 4394) से चिखलदरा घूमने आया था. पंचबोल पॉइंट के पास उन्होंने कार खड़ी की थी, लेकिन अचानक कार खिसक कर करीब 30 फीट गहरी खाई में जा गिरी.आसपास के लोग और पर्यटक घटनास्थल पर पहुंचे. दुर्घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई और सभी लोग सुरक्षित हैं.पंचबोल पॉइंट जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पार्किंग की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे इस तरह की घटनाएं हो रही हैं.प्रशासन क़दम उठाए

महाराष्ट्र शासन मेळघाट वन्यजीव विभाग, परतवाडा

खालील निर्देशीत केलेल्या कामाकरीता बी प्रपत्रातील सिलबंद निविदा मेळघाट वन्यजीव विभाग, परतवाडा अंतर्गत येत असलेल्या घटांग (वन्यजीव) विभाग, परतवाडा अंतर्गत येत असलेल्या घटांग (वन्यजीव) यांचे हे महाराष्ट्र शासनाकडे योग्य त्या वर्गातील पंजीबध्द कंत्राटदाराकडुन निविदा मागवित आहे.

अ. क्र.	कामाचे नांव	अंदाजपत्रकीय रक्कम	निविदेसोबत भरावयाची रक्कम	को-या निविदा प्रपत्राची किंमत	काम पुर्ण करण्याचा कालावधी	कंत्राटदाराचा नोंदणी वर्ग
1	(Repair to storage weir) at Bhavai	425137/-	4251/-	590	15 दिवस	खुला

को-या निविदेचा नमुना वनपरिक्षेत्र अधिकारी घटांग (वन्यजीव) यांचेकडुन निर्गमित करण्याचे ठिकाण, दिनांक, निविदा भरुन सादर करण्याचे ठिकाण व दिनांक इत्यादी तपशिल खालीलप्रमाणे देण्यात आलेला आहे.

1) कोरे निविदा प्रपत्र निर्गमित करणे - दि.27/06/2025 ते दि.04/07/2025 पर्यंत कार्यालयीन वेळेत दि.27/06/2025 दुपारी 12.00 वाजपासून
2) भरलेल्या निविदा सादर करण्याची अखेरची दिनांक - दि. 04/07/2025 दुपारी 2.00 वाजपर्यंत
3) निविदा उघडण्याची दिनांक व वेळ - दि. 04/07/2025 रोजी दुपारी 4.00 वाजता
4) ठिकाण - वनपरिक्षेत्र कार्यालय घटांग (वन्यजीव), घटांग
5) तथापी निविदा उघडण्याचा दिनांक सोईनुसार पुढे ढकलण्याचा अधिकार वनपरिक्षेत्र अधिकारी, घटांग वन्यजीव यांनी राखुन ठेवला आहे.
6) कोणतेही कारण न देता एक किंवा सर्व निविदा नाकारण्याचा अधिकार वनपरिक्षेत्र अधिकारी घटांग वन्यजीव, घटांग यांनी राखुन ठेवला आहे. त्यांचा निर्णय सर्व निविदाधारकासाठी अंतिम व बंधनकारक राहील.
7) निविदा प्रपत्रासोबत वर दर्शविलेल्या इसार (बयाना) रक्कमेचा राष्ट्रीयकृत किंवा शेड्युल्ड बँकेचा धनाकर्ष, वनपरिक्षेत्र अधिकारी घटांग वन्यजीव, घटांग येथे देय असणारा जोडणे आवश्यक आहे.
8) ज्या कंत्राटदाराची बोली ([illegible]) राहील त्यांनी काम सुरु करणे पुर्वी अंदाजपत्रकीय रक्कमेची 10 अनामत रक्कम भरणे डी.डी.च्या स्वरुपात घटांग वनपरिक्षेत्र अधिकारी यांचे नावे देय असेल.
9) निविदा संबंधी सविस्तर अटी व शर्ती या विभागाचे सुचना फलकावर दिनांक 27/06/2025 पासुन पहावयास मिळेल.

वि.मा.का./अन./ जाहि./281/2025-2026

वनपरिक्षेत्र अधिकारी
वन्यजीव परिक्षेत्र, घटांग

कार्यालय महानगरपालिका अमरावती
जा.क्र .अमनपा/बा.अ./का.अ./17 निमुक्र. /23/2025
दिनांक - 27/06/2025

अमरावती महानगरपालिका अमरावती

निविदा सुचना

मा. आयुक्त यांचे वतीने जिल्हा नियोजन समिती (नागरी दलितेत्तर वस्त्यांमध्ये सुधार कार्यक्रम) - सन 2023-25 अन्वये अमरावती महानगरपालिकेच्या बांधकाम विभागामार्फत खालिल कामासाठी ब-1 निविदा करारावरील योग्य श्रेणीत नोंदणी करण्यात आलेल्या कंत्राटदाराकडून दोन लखोटा पध्दतीने मोहरबंद लखोटयातून निविदा मागविण्यात येत आहे. निविदा दोन स्वतंत्र लखोटयातून सादर करावयाच्या आहेत. इतर सर्व माहित निविदा प्रपत्रास पहावयास मिळेल, कामाची यादी खालील प्रमाणे आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	निविदा रक्कम	बयाना रक्कम	सुरक्षा अनामत रक्कम	सुरक्षा अनामत रक्कम	को-या फार्मची किमत	कामाची मुदत
1	2	3	4	5	6	7	8
1	प्रभाग क्र. 18 कल्याण नगर मनपाच्या सभागृहाला कलरिंग करणे	2,73,832.00	2738	5,477	8,215	200+ 36 = 236	60 दिवस
2	प्रभाग क्र. 9 विलास नगर मोरबाग प्रभागाअंतर्गत येणा-या रमाबाई आंबेडकर नगर बुध्दविहाराला रंगरंगोटी करणे	1,98,591.00	1986	3,972	5,958	200+ 36 = 236	60 दिवस

सदर निविदा प्रसिद्धीपासून कोरी निविदा मागणी अर्ज दिनांक 03/07/2025 पर्यंत बांधकाम विभाग, महानगर पालिका, अमरावती यांचे कार्यालयात कार्यालयीन वेळेत प्राप्त होती.

वरील कामाच्या कोरी निविदा दिनांक 04/07/2025 रोजी कार्यकारी अभियंता -1 या कार्यालयात मिळतील व दिनांक 07/07/2025 रोजी कार्यकारी अभियंता -1 यांचे कार्यालयात दुपारी 4 वाजेपर्यंत स्वीकारल्या जातील तसेच प्राप्त निविदा शक्य झाल्यास 07/07/2025 रोजी सायंकाळी 04.00 वाजता नंतर उघडण्यात येतील.

सविस्तर अटी व शर्ती महानगरपालिकेच्या http://www.amtcorp.org/ या संकेतस्थळावर प्रसिद्ध करण्यात आले आहे.

कार्यकारी अभियंता-1
महानगरपालिका,अमरावती.

रविवार को राजस्थानी मेधावियों का अभिनंदन

विदर्भ स्वाभिमान,2 जुलाई

अमरावती - राजस्थानी हितकारक मंडल ने अपनी सुंदर परंपरा को आगे बढाते हुए आगामी रविवार 6 जुलाई को शाम 5 बजे कैम्प रोड स्थित होटल महफिल इन में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं के अभिनंदन सत्कार का आयोजन अध्यक्ष अनिल जु. अग्रवाल की अध्यक्षता में किया है. समारोह में पुलिस आयुक्त अरविंद चावरिया और महापालिका आयुक्त व प्रशासक सौम्या शर्मा चांडक विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे. उसी प्रकार होटल ग्रैंड महफिल के संचालक गोपाल मुंधडा तथा समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पी जाजोदिया भी बतौर अतिथि उपस्थित रहेंगे. यह आयोजन स्व. सौ विजयादेवी ब्रिजमोहन मूंधडा की पावन स्मृति में किया गया है. समारोह में राजस्थानी समाज के कक्षा 10 वीं और कक्षा 12 वी के मेरिट विद्यार्थियों का सम्मान होनेवाला है अतः सभी से उपस्थिति का अनुरोध संयोजक गोपाल चांडक श्रीनिवासा, संरक्षक प. देवदत्त शर्मा, सचिव रामेश्वर गग्गड, सहसंयोजक संजय राठी, प्रा. मकेश लोहिया, गिरीष डागा, राजेश मित्तल, श्याम शर्मा रक्तदान, वीरेंद्र शर्मा, समता केडिया, सोनाली राठी, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला कलंत्री, सचिव रेशू खंडेलवाल, यवक मंडल अध्यक्ष अमित मंत्री, सहसचिव साहिल खंडेलवाल आदि ने किया है. छात्र छात्राओं को सुंदर स्मृतिचिन्ह प्रदान किया जाता है. बीते अनेक वर्षों से हितकारक मंडल की यह सुंदर परंपरा रही है.सभी से उपस्थित रहने रहने का आग्रह राजस्थानी हितकारक मंडल ने किया है.

जनसेवा तथा सर्वांगीण विकास मेरा उद्देश्य है

दिखावे की बजाय काम में विश्वास करते हैं सांसद बलवंत वानखडे,भाग्यशाली नेता हैं सांसद वानखडे

विदर्भ स्वाभिमान साक्षात्कार

अमरावती- मैने गरीबी का अनुभव किया है, इसलिए मुझे इसका एहसास है. गरीबी और सामाजिक समस्याओं को सदैव करीब से देखने का मौका मिला है, यही कारण है गरीबों,अल्पसंख्यकों के प्रति जहां प्रेम है, वहीं सांसद के रूप में पूरे जिले की जनता ने मुझे चुनकर दिया है, ऐसे में सभी को न्याय मिले, इसका सदैव प्रयास करता हूं. दिखावे में कम और काम करने में मेरा अधिक विश्वास रहता है. जनसेवा तथा जिले का सर्वांगीण विकास ही मेरा उद्देश्य है, इस आशय का मत अमरावती जिले के लोकप्रिय सांसद और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बलवंतराव वानखडे ने किया. उनके मुताबिक कांग्रेस की नीति राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने वाली तथा सभी वर्गों को न्याय दिलाने वाली है. समय के साथ बदलाव की बात स्वीकारते हुए उन्होंने कहा कि आज भी कांग्रेस सभी वर्गों में लोकप्रिय है. जिले में कांग्रेस की ताकत तेजी से बढ़ रही है और आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी जिले में अपार लोकप्रियता हासिल करेगी.

उनके मुताबिक एक आदर्श नेता समाज के लिए एक मार्गदर्शक सितारे के समान होता है. वह अपने गुणों और कार्यों से समाज को एक सकारात्मक दिशा में ले जाता है. ऐसे नेता की आवश्यकता हर समय और हर समाज को होती है ताकि समाज का सर्वांगीण विकास हो सके और न्याय, समानता तथा शांति का वातावरण बना रहे.

जिले में आगामी महानगर पालिका, जिला परिषद तथा अन्य चुनावों में कांग्रेस द्वारा शानदार प्रदर्शन करने का विश्वास जिप सदस्य रहते विधायक, विधायक रहते हुए सांसद बने भाग्यशाली नेता बलवंतराव वानखडे ने जताई. उनके मुताबिक जिले में कांग्रेस विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर लगातार प्रयास कर रही है.जनसेवा को ही अपना मूलमंत्र मानते हैं. इसके निराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहने की बात कही. उन्होंने कहा कि अमरावती जिले के सर्वां गीण विकास का उनका प्रयास रहता है. सभी को इस काम में सहयोग करने तथा जिले के सभी विधायकों से राजनीतिक कटुता छोड़कर विकास के लिए एकजुट आने का आग्रह किया. चिखलदरा सहित जिले में विकास के प्रकल्पों को लाने के लिए सभी से एकजुटता दिखाने तथा सभी से सरकार पर दबाव बनाकर यहां पर विभिन्न विकास प्रकल्प लाने, हवाई अड्डे के विकास के साथ ही यहां से नई-नई ट्रेन शुरू कर जिले के विकास में योगदान देने का आग्रह किया.संभागीय मुख्यालय रहने से इसे भी नागपुर जैसा विकास में सम्मान मिलने की जरूरत उन्होंने जताई. अपने जन्मदिन पर शुभकामना देने वाले हजारों चहेतों की कृतज्ञता जताई.

सभी के चहेते,अमरावती मनपा शहर बस सेवा के संचालक,यारों के यार और इतवारा बालाजी मंदिर संस्थान के अध्यक्ष

महेशभैया साहू

को जन्मदिन 1 जुलाई पर

हार्दिक शुभकामनाएँ.

शुभेच्छुक

महेशभैया साहू मित्र परिवार,अमरावती.

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

1 जुलाई को जन्मदिन पर विशेष

सेवाभावी,धार्मिक,सामाजिक कार्यों में अग्रणी,यारों के यार हैं महेश साहू

शहर के प्रतिष्ठित नागरिक और कई संगठनों से जुड़े महेश साहू ऐसे व्यक्ति हैं जिनका कोई एक क्षेत्र नहीं है.सफलतम व्यवसायी के साथ ही यारों के दिलदार यार, अमरावती शहर में विभिन्न सेवा तथा धार्मिक कार्यक्रमों में भी उनका सदैव योगदान रहता है.

सम्पन्नता में भी विनम्रता रखने वाले महेशभैया सादगी से ओतप्रोत व्यक्ति हैं. उन्हें देखकर उनकी सम्पन्नता का कोई भी अंदाजा नहीं लगा सकता है. वे कहते हैं कि मेहनत, लगन, ईमानदारी के साथ ही माता-पिता का आशिर्वाद ही जीवन में कामयाबी का राज होता है. अमरावती महानगरपालिका बस सेवा के संचालक के साथ ही बालाजी मंदिर इतवारा बाजार के अध्यक्ष सहित कई जिम्मेदारियां निभाने के बाद भी उनका मानना है कि मेहनत और लगन ही व्यक्ति को सम्मान दिलाता है. उनके जन्मदिन पर जिस तरह सैकड़ों लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी, वह निश्चित ही उनके द्वारा किए गए नेक कामों का प्रमाण पत्र कहा जा सकता है. सादगी से परिपूर्ण रहने वाले महेश साहू का कहना है कि जीवन में जितना बन पड़े, सभी को अपनी तरफ से अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. इतवारा बाजार की बालाजी मंदिर का निर्माण भी उनके अध्यक्ष कार्यकाल में हुआ है. इस मंदिर का प्रबंध वे जिस तरह से करते हैं उसकी भी सराहना की जानी चाहिए. कुल मिलाकर आदर्श व्यक्तित्व के रूप में महेश साहू बस के माध्यम से जहां शहर वासियों की सेवा कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर धार्मिक कार्यों में भी उनका सदैव योगदान रहता है. वे मानव धर्म को सबसे बड़ा धर्म और जिम्मेदारी को सबसे बेहतरीन तरीके से निभाने को धर्म मानते हें. 1 जुलाई को उनके जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार द्वारा उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें मस्त रहें बालाजी के चरणों में यही कामना.

अंबानगरी में अपार उत्साह अभी से,आषाढ़ी एकादशी पर उमड़ेंगे महालक्ष्मी नगर में भक्त

विदर्भ स्वाभिमान,2 जुलाई

अमरावती- शहर के दो दर्जन के करीब विट्ठल मंदिरों में रविवार 6 जुलाई को हजारों की संख्या में भक्त उमड़ेंगे और विट्ठल-रूक्मिणी का दर्शन कर अपने जीवन को पावन करेंगे. महालक्ष्मी नगर स्थित तथा भक्त मनोज कावरे द्वारा संचालित विट्ठल-रूक्मिणी मंदिर में भी भक्तों के लिए व्यापक प्रबंध किया गया है. इस दिन शहर के विभिन्न मंदिरों में भक्तों के सैलाब को ध्यान में रखते हुए समुचित इंतजाम किया जा रहा है. बुधवारा के विट्ठल मंदिर में भी भक्तों की भीड़ रहने वाली है. देवशयनी एकादशी के बाद से ही विभिन्न त्यौहारों और पर्वों का सिलसिला शुरू हो जाता है. इसके बाद से ही गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव सहित अन्य विभिन्न पर्व शुरू होंगे. जैन समाज के धार्मिक चातुर्मास भी इसी दिन से शुरू होने वाला है. कुल मिलाकर अंबानगरी में इस दौरान अपार भक्तिभाव तथा उत्साह का नजारा रहेगा. छाया कॉलोनी में विदर्भ स्वाभिमान गल्ली स्थिति विदर्भ स्वाभिमान मुख्यालय में भी आषाढ़ी एकादशी का कार्यक्रम भक्तिभाव से मित्र मंडल द्वारा मनाया जाएगा. इस दौरान फलाहार का वितरण भी किया जाएगा. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वीणा दुबे, विद्या महाजन, रोहिणी तुपकर, चेतना रंधवे, नीलम ठोंबरे ,वैष्णवी इसासरे ,सिद्धी हातगांवकर, श्वेता, वंशिका दुबे के साथ ही क्षेत्र के अन्य भक्तों द्वारा किया जाएगा.प्रसाद का लाभ लेने का आग्रह आयोजकों द्वारा किया गया है.

शहर में आषाढ़ी एकादशी तथा चातुर्मास को लेकर जहां भक्तों में अपार उत्साह है, वहीं दूसरी ओर आषाढ़ी एकादशी पर शहर के प्रमुख विट्ठल-रूक्मिणी मंदिर बुधवारा तथा महालक्ष्मी नगर के विट्ठल मंदिर में तैयारियां भी आरंभ कर दी गई हैं. हर साल दोनों ही मंदिरों में हजारों की संख्या में भक्त उमड़ते हैं. इसके साथ ही जैन समाज का पवित्र चातुर्मास भी इसी दिन से आरंभ होने के कारण वारकरियों के साथ ही जैन समाज बंधुओं में भी अपार हर्ष व्याप्त है. शहर में आधे संताजीनगर, शिक्षक कॉलोनी, बुधवारा, वीएमवी क्षेत्र में आधे दर्जन से अधिक विट्ठल-मंदिरों में तैयारियां शुरू की गई है.

देवशयनी एकादशी को आषाढ़ी एकादशी, पद्मा एकादशी और हरिशयनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है. इस बार देवशयनी एकादशी का व्रत 6 जुलाई रविवार को रखा जा रहा है. यह महत्वपूर्ण पर्व रविवार को आने से भक्तों में अपार उत्साह है. इस दिन शहर के सभी विट्ठल- रूक्मिणी मंदिरों के साथ ही श्रीक्षेत्र कौंडण्यपुर स्थित प्राचीन विट्ठल रूक्मिणी मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना जताई जा रही है.देवशयनी एकादशी वैष्णवों और भगवान विष्णु के भक्तों के लिए बहुत धार्मिक महत्व रखती है. यह प्रसिद्ध जगन्नाथ रथयात्रा के ठीक बाद मनाई जाती है और चातुर्मास का आरंभ भी इसी दिन से होने के कारण उत्साह दुगुना रहता है. इसके बाद से सभी धार्मिक पर्व और त्यौहार भी शुरू हो जाते हैं. देवशयनी एकादशी की तिथि 5 जुलाई को शाम 6 बजकर 58 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 6 जुलाई को रात 9 बजकर 14 मिनट पर होगा. देवशयनी एकादशी को लाखों भक्तों का उपवास रहने से मंदिरों में फलाहार वितरण की भी व्यवस्था की गई है.

126 साल पुराना मंदिर-शहर के सबसे पुराने तथा जागृत मंदिर के रूप में फ्रेजरपुरा क्षेत्र में स्थित विट्ठल मंदिर का जिक्र किया जाता है. इस मंदिर का निर्माण 1899 में किया गया था. यहां आषाढ़ी एकादशी के उपलक्ष्य में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने वाली है. इस दिन शहर में घरेलू से लेकर मंदिरों में भी विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. 126 साल पुराना है. क्षेत्र में जागृत मंदिर के रूप में जहां यह पहचाना जाता है, वहीं दूसरी ओर आषाढ़ी एकादशी के दिन यहां पर हर साल हजारों की संख्या में भक्त जमा होते हैं. दर्शन का लाभ लेते हैं.

गुरूवार 3 से 9 जुलाई 2025

मेष- यह सप्ताह खुशियों वाला रहेगा और इस दौरान किया गया कोई भी काम अच्छा परिणाम देगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है. विवाद से बचना ही श्रेयस्कर होगा.

वृषभ-शांति के साथ स्थितियों को हल करने का प्रयास आपके लिए हितकारी रह सकता है. वर्ना बड़ा नुकसान होने की आशंका है. संभलकर बोलें.वाहन धीरे से चलाएं.थोड़ी मेहनत भी लाभ दिला सकती है.

मिथुन-अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क-आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है. समझदारी से समस्या हल होगी. किसी से नाहक विवाद से बचें.

सिंह-सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.परीक्षा में सफलता के योग हैं.

कन्या-विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.मेहनत ही सफलता का सूत्र हो सकता है. इस पर ध्यान दें.

तुला-नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

वृश्चिक-दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु-गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर-माता-पिता की सेवा का बेहतरीन लाभ हो सकता है. उन्हें प्रसन्न रखने और उनकी सलाह माननी लाभदायी हो सकती है.

कुंभ-आपकी इच्छाएं पूरी होने वाली हैं. वाहन चलाते समय सतर्कता और सावधानी बरतना श्रेयस्कर रहेगा. घर में खुशी का माहौल रहेगा.

मीन-दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.इस समय छोटी कोशिश सफलता देगी.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल ने किया सांसद वानखडे,डॉ.देशमुख का सत्कार

विदर्भ स्वाभिमान,2 जुलाई

अमरावती-जिले के सांसद बलवंतराव वानखडे और जिला सामान्य अस्पताल के सेवानिवृत्त डॉ. बी.आर. देशमुख का जन्मदिन तथा डॉक्टर्स डे पर सेवाभावी कार्यों में सदैव अग्रणी रहने वाले अभिनंदन पेंढारी मित्र मंडल द्वारा सत्कार किया गया. दोनों ने संस्था के प्रमुख अभिनंदन पें ढारी, प्राचार्य संजय शिरभाते तथा सभी साथियों की सराहना की. सांसद बलवंत वानखडे ने अभिनंदन पेंढारी तथा मित्रों के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग देने का विश्वास दिलाया.

पारिवारिक माहौल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ.बी.आर. देशमुख के अलावा जिले के कांग्रेसी नेता और लोकप्रिय सांसद बलवंतराव वानखडे का सत्कार किया गया. इस अवसर पर डॉ. देशमुख की धर्मपत्नी श्रीमती उषाताई देशमुख का भी स्वागत किया गया.अभिनंदन पेंढारी ने अपने परिचयात्मक भाषण में डॉ. देशमुख के जीवन कार्यों पर प्रकाश डाला. डॉक्टर ने कई वर्षों तक जिला सामान्य अस्पताल में गरीब मरीजों की निस्वार्थ भाव से सेवा की तथा उनका सटीक निदान कर उन्हें रोग मुक्त किया. वे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अमरावती अध्यक्ष थे.जबकि जिले के सांसद बलवंतराव वानखडे द्वारा जनहित में पूरी तरह से समर्पित होकर काम करने तथा जनता को न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत रहने की बात कही. वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अभिनंदन पें ढारी मित्र मंडल द्वारा सामाजिक,धार्मिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाई जाती है.

इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी पुरूषोत्तम मुंदडा, दीपक हुंडीकर, प्रभाताई अवारे, संजय शिरभाते, अनिल सुराना,महेंद्र देशमुख,शीतल सिघवी, राधेश्याम यादव, राजेंद्र पचगड़े, दिलीप देशमुख, शांतनु देशमुख उपस्थित थे. उन्होंने भी डॉक्टर देशमुख साहब को जन्मदिन की बधाई दी. सांसद बलवंतराव वानखडे ने मित्र मंडल तथा अभिनंदन पेंढारी के कामों की सराहना की और सदैव सहयोग करने का भरोसा दिलाया. आज भी मैं चिकित्सा प्रकोष्ठ तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से किए जा रहे कार्यों में भाग लेता हूं तथा अपना योगदान देता हूं. उन्होंने कहा कि यह हम सभी के सहयोग से ही संभव हो पाया है. कार्यक्रम का संचालन अभिनंदन पेंढारी ने किया तथा आभार महेंद्र देशमुख ने माना.इस समय बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

हार्दिक शुभकामनाएं

अमरावती जिले के लोकप्रिय सांसद, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा जनसेवक

मा.खा.बलवंतभाऊ वानखडे

को जन्मदिन की करोड़ों मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

अमरावती शहर तथा जिला कांग्रेस, सांसद बलवंतभाऊ वानखडे मित्र परिवार,अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

हळवीशी हाक
कुणाला कुणाची
फुले प्राजक्ताची
अलवार
तृष्णेच्या हाकेला
उत्तरली काया
तृप्तीची ही माया
खरीच ती

पुरूषोत्तम पाटील

तृष्णा तृप्तीच्या मायेचा अनुभव फक्त दुग्धपूर्णामध्ये

शितपेयाचा राजा

दुग्धपूर्णा

राजकमल चौक, अमरावती

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में जो लोग अन्यों का विचार करते हैं, परमपिता उन पर सदैव ध्यान रखते हैं. जिन पर प्रभु की निगाह होती है, उस पर कभी किसी बुरी निगाह का असर नहीं पड़ सकता है. इसलिए सदैव स्वार्थ नहीं बल्कि यह सोचने की कोशिश करना कि आप अगर किसी को थोड़ा सा देंगे तो प्रभु आपको भरपूर देगा. भूखे को भोजन, प्यासे को पानी पिलाने के साथ ही अपने माता-पिता का आशिर्वाद लेने वाले को दूसरे आशिर्वाद की जरूरत नहीं पड़ती है. इसलिए सदैव ध्यान रखें, हम भले तो जग भला वाले सिद्धांत पर चलने वाले लोग कभी जीवन में परेशान नहीं होते हैं. आप भी ऐसा ही करने का प्रयास करें, फर्क जरूर दिखाई देगा.

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 जुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 05 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

ज्ञान बड़ा या धन, इस पर जीवन में सदैव ध्यान देना चाहिए

आमतौर पर लोगों के मन में विचार आता है कि ज्ञान बड़ा या धन. लेकिन ज्ञान बड़ा होता है. वह धन कमाने की ताकत रखता है. लेकिन धन भरपूर है और ज्ञान नहीं है तो धन जाने में समय नहीं लगता है. ज्ञान जब आगे रहे और धन उसके पीछे रहे तो समृद्धि के साथ खुशी आती है लेकिन इसका उल्टा होने पर धन रहकर भी खुशी नहीं मिल सकती है. जीवन में धन जरूरी है लेकिन ज्ञान उससे भी अधिक जरूरी है.

सुभाषचंद्र दुबे, संपादक विदर्भ स्वाभिमान 9423426199

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com